strengthen cooperation in combating illegal trafficking in narcotics at all levels, including production, trafficking and drug abuse,

विदेश में भारतीय मिशन द्वारा चलाये जा रहे स्कूल

1841. **श्री राजनाथ सिंह "सूर्य"** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन देशों में भारतीय राजनयिक मिशन द्वारा स्कूल चलाये जा रहे हैं,

(ख) क्या इन स्कूलों के लिये, एकसमान पाठ्यक्रम निर्धारित हैं, यदि हां, तो पाठयक्रम का निर्धारण किस प्रधिकरण द्वारा किया जाता है और उसका आधार क्या है,

(ग) क्या उनका ध्यान दिनांक 2 जनवरी, 1997 के "पायनियर" में "संपादक के नाम पत्र" कॉलम में प्रधान मंत्री के नाम संबोधित पत्र की ओर दिलाया गगया है, और

(घ) यदि हां, तो सउदी अरब में संचालित स्कूलों में प्रिसिंपल सहित अन्य पदों का मुस्लिम के लिये आरक्षण तथा इन स्कूलों में प्रातःकालीन सभा का आरंभ पवित्र कुरान के पाठ के साथ करने का क्या औचित्य है?

विदेश मंत्री (श्री इन्द्र कुमार गुजराल) :

(क) केवल इथियोपिया, चीन, तंजानिया, बंगालादेश, यमन और ईरान में विशेष स्थित भारतीय राजदूतावास स्कूल चला रहे हैं।

(ख) यह स्कूल सी0बी0एस0ई0 या आई0सी0एस0ई0 से संबद्ध हैं तथा उनके द्वारा निर्धारित पाठयक्रम को अपनाते हैं। बीजिंग में अनौपचारिक रूप से राजदूतावास के कर्मचारियों की पत्नियों और स्थानीय भारतीय समुदाय द्वारा स्वैच्छिक आधार पर चलाया जा रहा है। यह केवल चौथी कक्षा तक चलाया जा रहा है, जिसमें कड़ाई से किसी पाठयक्रम का पालन नहीं किया जाता है।

(ग) जी हां।

(घ) इस समय सउदी अरब में स्थित भारतीय मिशन कोई स्कूल चला रहा है। सऊदी अरब में अंतर्राष्ट्रीय भारतीय स्कूल सऊदी शिक्षा मंत्रालय के पर्यवेक्षण और नियंत्रण में कार्य कर रहे हैं और उसके नियमों का पालन कर रहे हैं। इन स्कूलों में प्रधानाचार्यों और अध्यपकों के पद केवल मुस्लिमों के लिए ही आरंक्षित नहीं है। इन स्कूलों में पवित्र कुरान की आयतों का सस्त्रर का पाठ स्थानिय प्रथाओं के अनुसरण में किया जाता है।

Transportation to North-Eastern states through Bangladesh

1842. DR, B.B. DUTTA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have taken any initiative to facilitate transportation and communication through Bangladesh to connect North-Eastern States to the mainland of India;

(b) if so, the details thereof and the response of Bangladesh thereto; and

(c) the steps taken/proposed to be taken to materialise this long standing demand of North-Eastern States?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I.K. GUJRAL): (a) to (c) The question of transit facilities through Bangladesh to provide transportation link between the North-eastern States of India and the mainland has been raised on many occasions with the Government of Bangladesh. The subject remains under discussion between the two Governments.

पड़ोसी देशों के साथ द्विपक्षीय वार्ता

1843. **श्री गोपाल सिंह जी0 सोलंकी** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान में पड़ोसी देशों के साथ कौन कौन से मुद्दे हैं,

(ख) क्या सरकार ने इस सभी मुद्दों को निपटाने के उद्देश्य से भारत और अन्य पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता की गति में तेजी पाने हेतु कोई कदम उठाये हैं,

(ग) यदि हां, तो मुद्दे-वार ब्यौरा क्या है,

(घ) क्या भारत और अन्य पड़ोसी देशों के बीच